ओडीओपी समिट : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद बोस प्रेक्षागृह में समिट का आयोजन, ओडीओपी पुस्तिका का विमोचन

लोन और टूल किट पाकर खिल उठे उद्यमियों के चेहरे

प्रदर्शनी भी लगी

मेरठ | संवाददाता

शनिवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित नेताजी सुभाष चंद बोस सभागार-परिसर में 16 जिलों का एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत स्पोर्ट्स गुड्स, टैक्सटाइल्स और वुड क्राफ्ट समिट का आयोजन किया। इसमें 1233 उद्यमियों को मंत्री सत्यदेव पचौरी ने 6292 करोड़ का ऋण तथा 617 लाभार्थियों को टूल-किट वितरित किए। लोन मिलने पर उद्यमियों और टूल किट पाकर हस्तशिल्पियों के चेहरे खिल उठे।

समिट और प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सत्यदेव पचौरी, निदेशक एवं आयुक्त उद्योग कानपुर के, रविंद्र नायक, विशेष सचिव उद्योग अमित कुमार सिंह, अपर आयुक्त उद्योग उदयी राम, उपायुक्त उद्योग धीरेंद्र कौशल, सहायक आयुक्त जीएसटी विजय सिंह, उपायुक्त कपड़ा चौहान, परियोजना निदेशक भानु प्रताप सिंह ने किया। बाद में सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने भी शिरकत की। दो एकेडमी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

सम्मेलन में मंत्री ने 16 जनपदों के 1233 लाभार्थियों को 6292 करोड़ का ऋण वितरित किया तथा 617 लाभार्थियों को टूल-किट वितरित की। मंत्री सत्यदेव पचौरी ने 16 जनपदों के उत्पादों की लगाई गई तीन दिवसीय भव्य प्रदर्शनी का हर स्टॉल पर पहुंचकर अवलोकन किया। सम्मेलन में एक जनपद एक उत्पाद पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। सम्मेलन में एक जनपद एक उत्पाद के तहत ऋण प्राप्त करने वाले स्टार्टअप नवीन डागर, मेरठ के इंजीनियर आसिफ चौहान व सहारनपुर की निलोफर खान ने अपनी सफलता की कहानी प्रस्तुत की। बाद में लोगों की मंत्री ने प्रशंसा की। कहा कि युवा नौकरी ढूंढने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। सम्मेलन में एक जनपद एक उत्पाद उत्तर प्रदेश की थीम पर 16 जनपदों के उत्पाद पर आधारित एक पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। सीमा, कल्याण श्रीवास्तव, उद्यमी कमल ठाकुर, अमित रस्तोगी, नवीन अरोड़ा, अंकुर सेठल, आलोक सिसोदिया, डॉ. संजीव अग्रवाल रहे।

शनिवार को नेताजी सुभाष चंद बोस सभागार में आयोजित ओडीओपी समिट में मंत्री सत्यदेव पचौरी ने उद्यमियों को लोन के चेक प्रदान किए। • हिन्दुस्तान

कारीगरों और हस्तशिल्पियों को दिलाएंगे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान : सत्यदेव पचौरी

मंत्री सत्यदेव पचौरी ने कहा कि मुर्दे के आभूषणों को विश्वस्तर पहचान दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयत्नशील हैं। कहा कि कारीगरों और हस्तशिल्पियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएंगे। मुर्दे से बेरोजगारी खत्म करेंगे और मुर्दाओं को उद्यम व्यवसाय कराकर उद्यम प्रदेश बनायेंगे। सरकार की मंशा है कि मुर्दे से बेरोजगारी की समस्या अंतहीन से खत्म हो, जो व्यक्ति काम करना चाहता है, उसे काम दिलाया जाये। कहा कि सरकार कारीगरों/हस्तशिल्पियों को नई जगहें नई उड़ाने देने का काम करी है।

हर साल उद्यमियों को देंगे 75 हजार करोड़ का लोन

मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 75 हजार करोड़ का ऋण उद्यमियों को प्रतिवर्ष देने का लक्ष्य निर्धारित कर दिया। ओडीओपी योजना के अन्तर्गत हस्तशिल्पियों और उद्यमियों की विपणन की बेहतर सुविधा की व्यवस्था की जा रही है, ताकि उनके द्वारा तैयार उत्पाद आसानी से बिक्री हो सके।

बेरोजगारों को स्वावलंबी और सक्षम बना रहे : के. रविंद्र नायक

आयुक्त एवं निदेशक उद्योग कानपुर के, रविंद्र नायक ने कहा कि आज प्रदेश में एक जनपद एक उत्पाद समिट में बेरोजगारों को स्वावलंबी और सक्षम बनाने के लिए अनूठी पहल की गई है। इस योजना के अन्तर्गत हर जनपद के बेस्ट उत्पाद के लिए ऋण सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे यहां के लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उधर, विशेष सचिव अमित सिंह ने कहा कि इस वर्ष प्रदेश में 02 लाख से अधिक लोगों को 20 करोड़ से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया तथा 22 हजार लोगों को नवीन टूल किट बांटे। प्रदेश में 47 हजार लोगों को 6500 करोड़ का ऋण वितरण किया है।

बॉम्बे-नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के जरिए देंगे लाभ

प्रदेश सरकार ने छोटे उद्यमियों के लाभ के लिए शेयर के माध्यम से बॉम्बे और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से भी समझौता किया है। इसका लाभ उद्यमियों को अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक्सलरेटेड उत्पाद के लिए सरकार ने पॉलिसी पर काम करने की भी घोषणा की है, जिससे लघु व मध्यम उत्पाद सरकार भी 25 प्रतिशत अवश्य क्रय करेगी। प्रदेश में 44 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट हैं।

गांवों में प्रतिभाओं को चिह्नित कर दिला रहे लोन : डीएम

डीएम अमित मोहन ने कहा कि एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत जनपद में गांव स्तर पर प्रतिभाओं को चिह्नित कराकर इन्हें योजना के तहत ऋण प्रदान किया जा रहा है। मेरठ के मवाना क्षेत्र के 40 लाभार्थियों को 2.5 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया गया है। कहा कि इसके अतिरिक्त एमएसएमई के अन्तर्गत भी 26390 उद्यमियों को 1442 करोड़ का ऋण विभिन्न बैंकों से तथा 504 लाभार्थियों को अन्य योजना के अन्तर्गत 290 करोड़ का ऋण स्वीकृति किया गया है। अब तक कुल 1746 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया गया है।

शनिवार को समिट में ओडीओपी के 16 जिलों की पुस्तिका का विमोचन करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

उद्यमियों के दम पर जीवित है उद्यमिता : राजेंद्र अग्रवाल

मेरठ। सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि लोग निजी उद्यम के आधार पर सफलता प्राप्त करते हैं, लेकिन सरकार की ओर उन लोगों पर पहले से बड़ा कदम हुआ। सरकार उद्यमियों के साथ हस्तशिल्पियों का भी उद्धार कर रही है। उनके लिए कल्याणकारी के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। ओडीओपी के तहत उद्यमियों और हस्तशिल्पियों को पहचान दिलाई जा रही है। औद्योगिक विकास के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। इसके लिए स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश और केंद्र सरकार तैयार है।

16 जिलों से उद्यमी और हस्तशिल्पी रहे मौजूद

शनिवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित स्पोर्ट्स गुड्स, टैक्सटाइल्स एवं वुड क्राफ्ट पर आधारित ओडीओपी समिट में 16 जिलों के उद्यमियों और हस्तशिल्पियों ने हिस्सा लिया। इनमें मेरठ, गौतमबुद्धनगर, बागपत, हापुड़, रामपुर, फर्रुखाबाद, हरदोई, सहारनपुर, अमरोहा, बरेली, बिजनौर, महाराजगंज, मैनपुरी, पीलीभीत, बिजनौर एवं गाजियाबाद के उद्यमी और हस्तशिल्पियों ने हिस्सा लिया।

समिट का लाइव प्रसारण किया गया

अपर आयुक्त उद्योग उदयी राम ने बताया कि मेरठ में आयोजित समिट में 16 जिलों के उद्यमियों और हस्तशिल्पियों ने हिस्सा लिया। समिट का मेरठ समेत सभी 16 जिला मुख्यालयों पर लाइव प्रसारण भी किया गया। सभा कार्यक्रमों में प्रदेश के साथ ही उद्यम विभाग के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मेरठ में समिट के सफल आयोजन के लिए मंत्री सत्यदेव पचौरी, आयुक्त एवं निदेशक उद्योग कानपुर के, रविंद्र नायक और विशेष सचिव उद्योग अमित कुमार ने उपायुक्त उद्योग दीपक कौशल, सहायक आयुक्त दीपेंद्र सिंह, दिनेश आर्य और अंजनी कटारिया समेत कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

शनिवार को ओडीओपी समिट में बच्चों ने देशभक्ति में ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत कर जमा बांधा।

इंडस्ट्रीयल पार्क विकसित कर औद्योगिक विकास बढ़ाएंगे

बोले मंत्री

मेरठ | संवाददाता

प्रदेश में औद्योगिक वातावरण बना है। एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत हर जिले में 15 करोड़ की लागत से कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का निर्माण होगा। जहां एक ही छत के नीचे सभी मैटीरियल, प्रशिक्षण से लेकर अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इसके साथ ही प्रदेश में छोटे उद्योगों और हस्तशिल्पियों को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं भी लाएंगे। ओडीओपी योजना में पहले चरण में चिह्नित उत्पादों से संबंधित उद्योगों को संगठन करने के बाद प्रत्येक जिलों में अन्य उत्पादों को भी शामिल करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिले और प्रदेश-देश की जरूरत पूरी हो सके। यह बातें शनिवार को प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सत्यदेव पचौरी ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहीं।

कहा कि एमएसएमई के लिए एक स्कीम लेकर आ रहे हैं। इसे कैबिनेट बैठक में पास किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वीकृति दे दी। इसके तहत पीपीपी मॉडल में 20 एकड़ में इंडस्ट्रीयल पार्क विकसित कराए जाएंगे। हालांकि विश्वकर्मा इंडस्ट्रीयल एस्टेट के निदेशक कमल ठाकुर और युवा उद्यमी अमित रस्तोगी ने मंत्री और उद्योग विभाग के अधिकारियों से मिलकर पीपीपी मॉडल पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने में आने वाली दिक्कतों को बताया। इसके लिए मंत्री ने उद्यमियों से कहा कि वह लखनऊ आए और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर समस्याएं दूर कराएंगे।

मंत्री सत्यदेव पचौरी। • हिन्दुस्तान

नौचंदी मेले में लगेंगे ओडीओपी के 100 स्टॉल

आयुक्त एवं निदेशक उद्योग कानपुर के रविंद्र नायक ने कहा कि मेरठ के नौचंदी मेले में ओडीओपी योजना के तहत एक सौ स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके लिए आवेदन निर्गत करने। कहा कि प्रदेश में जहां मेले का आयोजन होगा, वहां स्टॉल लगेंगे। इस की बिक्री धूम मेले में भी कराई जा रही।

प्रदेश के जिलों से बढ़ाएंगे निर्यात

प्रदेश सरकार जिलों से ही विभिन्न वस्तुओं के निर्यात कराने की योजना कर रही है। मेरठ से स्पोर्ट्स गुड्स, हॉकस्टिक का हॉर्न, बैलगाड़ी की सजावटी, ओरैया की जरी, कन्नौज का इत्र, सहारनपुर का वुडक्राफ्टिंग समेत अन्य जिलों से उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर योजना कर रहे हैं। जापान, चाइना और कोरिया को टक्कर देने वाले उत्पाद तैयार कराएंगे। कुछ जिलों में उत्पादों को ऐसा बनवाया जाएगा।

कताई मिल चालू नहीं होगी

मंत्री सत्यदेव पचौरी ने कहा कि मेरठ में कताई मिल तो चालू नहीं होगी, लेकिन सरकार के पास जमीन की कोई कमी नहीं है। उद्योग लगाने के लिए उद्यमी आगे आएं। हम जमीन-सुविधा देंगे।

जल्द लगेगी पांच टिकलीस प्रदर्शनी

मौसम खराब होने के कारण तीन दिनों तक चलने वाली प्रदर्शनी निदेशक एवं आयुक्त के, रविंद्र नायक के निर्देश पर आज ही समाप्त करा दी। अब पांच दिनों की जल्द दुबारा मेरठ में कराया जाएगा।

तकनीकी सत्र और बायर सेलर मीट में दी जानकारी

समिट में तकनीकी सत्र और बायर सेलर मीट भी हुई। इसमें गेस्ट लेक्चरर के तौर पर आमंत्रित कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रश्मि ने अपने व्याख्यान के माध्यम से उद्योगों को अपने कॉलेज में आकर छात्रों की ऑन-डेमांड प्लेसमेंट लेने का निमंत्रण दिया। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की ओर से समिट में आकाश चौधरी, सूरज महरोत्रा और अनीकुर्रहमान ने उद्यमियों को जानकारियां दी।

लघु उद्यमियों ने बताई अपनी सफलता की कहानी

सक्सेस स्टोरी

मेरठ | हमारे संवाददाता

दूसरे को कम थोड़ी सी मदद मिल जाए तो लोग खुद तो स्वावलंबी बन ही जाएं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। ओडीओपी समिट में कुछ ऐसे लोग सामने आए हैं जो सरकार से मिली आर्थिक सहायता के बाद प्रगति के पथ पर बढ़ गए।

इंजीनियर आसिफ चौहान ने स्वरोजगार कार्यक्रम के तहत दस लाख रुपये का लोन लेकर डबल विंडो कूलर का उत्पादन शुरू किया। 20-25 बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया। प्रोजेक्ट को स्टार्टअप में पंजीकृत है। चार पेटेंट हो चुके हैं। तीन होने बाकी हैं। इस तरह सरकार के सहयोग से एक आविष्कार हुआ। मेरठ के कारोबारी नवीन डागर ने बैंक से लोन करके ओडीओपी के तहत यूनिट लगाकर काम शुरू करने और सफलता की कहानी बताई। सहारनपुर की निलोफर खान ने पीएमईजीपी योजना के तहत बैंक से दस लाख रुपये का लोन लेकर वुडकार्विंग का छोटा का उद्यम स्थापित किया। इसके साथ वह न सिर्फ आर्थिक रूप से समृद्ध हुई, बल्कि 25 और महिलाओं को रोजगार दिया। मैनपुरी की बीबी शर्मा बताती हैं कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत पांच लाख का लोन और तीन माह का प्रशिक्षण लिया। अन्य महिलाओं के साथ मिलकर काम शुरू किया। हर महीने करीब 15 हजार रुपये की कमाई हो रही है। बरेली की अनामिका बताती हैं कि 12वीं तक पढ़ाई करने के बाद शादी हो गई। कौशल विकास योजना के तहत एक माह का प्रशिक्षण लिया। लोन लेकर दस महिलाओं के साथ मिलकर काम शुरू किया और छह माह में यह संख्या दुगनी हो गई। बागपत निवासी इरशाद का हैंडलूम का खानदानी काम है। अब उनके साथ 19 लोग काम करते हैं।

प्रथम चौहान। • हिन्दुस्तान

निलोफर खान। • हिन्दुस्तान

नवीन डागर। • हिन्दुस्तान

आसिफ चौहान। • हिन्दुस्तान

ऑर्गेनिक गुड़, शक्कर पर फिदा हुए मंत्री

मेरठ। ओडीओपी समिट में मुजफ्फरनगर के पास गांवों को गोद लेकर डीएवी कॉलेज मुजफ्फरनगर के कॉस्टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से कराई जा रही ऑर्गेनिक फार्मिंग की प्रदेश के मंत्री सत्यदेव पचौरी ने सराहना की। कॉलेज की प्रोफेसर के लिए खेत गांव को लखनऊ में ऑर्गेनिक फार्मिंग पर आयोजित सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। एक नई और परिवर्तनात्मक पहल के तहत डीएवी कॉलेज मुजफ्फरनगर की प्राचार्या डॉ. रश्मि शर्मा, शिक्षिका मधु चौहान और सुनिता, छात्र वासु बंसल, विनीत कुमार, तनु त्यागी ने प्रदर्शनी में स्टॉल लगाया। कॉलेज के कॉस्टेक्नोलॉजी विभाग ने ऑर्गेनिक खेती और गुड़ बनाने पर अपने नवीन शोध कार्यों का प्रदर्शन किया।

ओडीओपी योजना में चमकेगा ज्वैलरी कारोबार

मेरठ। स्पोर्ट्स गुड्स के मेरठ के जौलरी कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा। शनिवार को मेरठ इंस्टिट्यूशन टेक्नोलॉजी तथा सुभारती जौलरी एंड कैमूफ्लेजिंग फेडरेशन का औपचारिकता मंत्री सत्यदेव पचौरी, निदेशक एवं आयुक्त उद्योग कानपुर के, रविंद्र नायक, विशेष सचिव उद्योग अमित कुमार सिंह ने किया। उन्हें प्रदीप सोंध और डॉ. संजीव अग्रवाल ने परिसंघ का प्रमुख सदस्य मंत्री के बारे में बताया। मंत्री और निदेशक एवं आयुक्त उद्योग ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया, साथ ही उपायुक्त उद्योग दीपक कौशल को निर्देश दिए कि वह नए सिरे से जौलरी को लेकर प्रस्ताव तैयार करके शासन को भिजवाएं। उधर, मेरठ के सर्राफा व्यापारियों ने लघु उद्योग मंत्री सत्यदेव पचौरी से सर्किट हाउस में मुलाकात की। ज्ञापन दिया और 20 कैरेट जौलरी की हॉलमार्किंग को लेकर अपना पक्ष रखा। मांग की कि 20 कैरेट जौलरी को हॉलमार्किंग सूची में शामिल किया जाए। ज्ञापन देने वालों में मेरठ इंस्टिट्यूशन टेक्नोलॉजी एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, महामंत्री विजय आनंद अग्रवाल और डीएवी संजीव अग्रवाल, अशोक कुमार रस्तोगी, विपिन अग्रवाल आदि रहे। मंत्री ने आश्वासन दिया कि वह समाधान का प्रयास करेंगे।

मेरठ के बल्ला-फुटबाल तथा बागपत का घरेलू सजावटी सामान भी छाया, सहारनपुर की काष्ठ शिल्प ने दिल जीता, मैनपुरी की तारकशी कला ने लुभाया

अमरोहा के वाद्य यंत्र, पीलीभीत की बांसुरी की धुन पर लोग मंत्रमुग्ध

मेरठ | शाहीन अहमद

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित स्पोर्ट्स गुड्स, टैक्सटाइल्स एवं वुड क्राफ्ट पर आधारित ओडीओपी समिट में लगी प्रदर्शनी में शिल्पकारों की कलाकारी ने मंत्री से लेकर अफसरों, लोगों का दिल जीत लिया। समिट में हस्तशिल्पी अपनी कला की अमिट छाप छोड़ गए। मेरठ का बल्ला और फुटबाल के साथ बागपत का घरेलू सजावटी सामान छाया, वहीं, अमरोहा के वाद्य यंत्रों और पीलीभीत की बांसुरी की मीठी तान पर लोग फिदा हो गए।

प्रदर्शनी में 48 स्टॉलों में 16 जिलों के ओडीओपी योजना के तहत चयनित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। स्टॉलों पर भ्रमण के दौरान खुद मंत्री सत्यदेव पचौरी लोगों की कला देख हैरत में पड़ गए। मेरठ के खेल के सामान ने तो लोगों को लुभाया ही और स्पोर्ट्स सिटी के रूप में चर्चा करने को मजबूर कर दिया। वहीं, गौतमबुद्धनगर के सिले-सिलाये वस्त्रों ने भी लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। बागपत में बनने वाले घरेलू सजावटी सामान को देखकर हर कोई हैरत में पड़ गया।

सहारनपुर का वुड कार्विंग उद्योग की तो समिट में अमिट छाप पड़ गई। वहीं, रामपुर का पेच वर्क, अमरोहा का वाद्य यंत्र, बिजनौर का वुड क्राफ्ट, फर्रुखाबाद का ब्लॉक प्रिंटिंग ने भी लोगों को अपनी तरफ आकर्षित किया। बरेली का वुड क्राफ्ट, पीलीभीत की बांसुरी, महाराजगंज का फर्नीचर, मैनपुरी की तारकशी कला, रायबरेली के वुड क्राफ्ट, हरदोई के हथकरघा और चित्रकूट की लकड़ी के खिलौने के उत्पाद प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र रहे। एलडीएम अविनाश सोनी इस दौरान मौजूद रहे।

ओडीओपी योजना से एक तरफ रोजगार बढ़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ हमारे उत्पाद प्रतियोगी बन रहे हैं। लक्ष्य है अधिक से अधिक रोजगार का सृजन हो। हितलाभ प्राप्त उद्योगों का पुनर्जीवन हो- दीपक कौशल, उपायुक्त उद्योग

स्थानीय कारीगरों, दस्तकारों को प्रशिक्षण देकर उनका कौशलवृद्धि कर रहे हैं। हस्तशिल्पियों को टूल किट दे रहे हैं। उद्यम स्थापित करने वालों को बैंक से लोन दिला रहे हैं। दीपेंद्र सिंह, सहायक आयुक्त उद्योग

अमेजन पर उत्पाद, बिजनेस पहुंचा लाखों पार

मेरठ। ओडीओपी के तहत अमेजन ने उद्यमियों का साथ दिया। उनके उत्पादों को ई-कॉमर्स वेबसाइट पर डाला। इसके जरिए खूब व्यापार हो रहा है। अमेजन ही डिमांड के मुताबिक सेल का सामान डिलीवर करती है। ऐसे दो कारोबारियों प्रथम चौहान और अंशु रस्तोगी की सफलता की कहानी भी समिट में बताई। उन्हें कारोबारियों के बिजनेस ग्रोथ करोड़ पार कर गया।